

दिल्ली रुक्ति The Gazette of India

शास्त्राधिकार

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड

PART II—Section 3—Sub-section

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY GOVERNMENT OF INDIA

पं. 270]

नई दिल्ली, गृहवार, सितम्बर 10, १९४४, १०, १९०१

No. 270 NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 10, 1944, 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि अन्ने खण्ड, को रूप से
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be
compiled separately.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1982

म 214/82—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

संख्या नं. 563(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और
गरम अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 37 द्वारा
प्रदत्त शब्दायां का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944
मा और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनानी हैं। अवर्ति:—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ .—(1) इन नियमों का संक्षिप्त
नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (जावा संशोधन) नियम, 1982 है।

2) ये उन तारीख को प्रवृत्त होंगे जिसे केन्द्रीय सरकार राजपत्र
में घोषित करने वाला नियन करे।

2 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त नियम कहा गया है) नियम 2 के खण्ड (ii) में,—

(क) "अपील कलक्टर" शब्दों के स्थान पर "कलक्टर (अपील)"
गढ़ और कोष्ठक रखे जाएंगे।

(इ), तथा वा गा "फेन्डर इलेक्ट्रिक शुल्क" के लिए नवकटर, शब्दों
"फेन्डर", वा गा या दाना का "उत्पाद शुल्क"
या गा "फेन्डर" गढ़ रखे जाएंगे।

(ii) "टोट इलेक्ट्रिक अर्द शुल्क" के स्थान पर

"टोट इलेक्ट्रिक अर्द शुल्क" गढ़ रखे जाएंगे।

2. इन नियमों के लिए नियन बनाने की अवधि एक सप्ताह है।

अध्याय 12

213 कलक्टर (अपील) दो अपील दो आवय

(1) इन (पर्वा) दो अपील दो आवय (1) के उचित
कोई शोषण नहीं हो सकता।

(2) "रुप दो अपील" के जावा दो अपील
में नहीं हो सकता ताकि दो अपील जाएंगे।

(क) "रुप दो अपील" के जावा दो अपील
में नहीं हो सकता ताकि दो अपील जाएंगे।

(क) "रुप दो अपील" के जावा दो अपील
में नहीं हो सकता ताकि दो अपील जाएंगे।

या उत्तरी ओर से कार्य करने के लिए सभग किसी "अन्य व्यक्ति द्वारा,

- (क) किसी हिन्दू प्रविभक्त कुटुम्ब की दशा में, कर्ता द्वारा और, जहाँ कर्ता भारत से अनुपस्थित है वा प्रयत्नी कार्यों की वेळ-भाल करने में मानसिक रूप से असमर्थ है वहाँ ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य व्यक्ति सदस्य द्वारा;
- (ग) किसी कल्पनी या स्थानीय प्राधिकारी की दशा में, उसके प्रधान प्रधिकारी द्वारा; और
- (घ) किसी कर्म की दशा में, उसके किसी भागीदार द्वारा जो अवयवस्क नहीं है;
- (ङ) किसी अन्य संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान प्रधिकारी द्वारा; और
- (च) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उत्तरी ओर से कार्य करने के लिए सभग किसी व्यक्ति द्वारा।

(3) प्ररूप सं० के०उ०शु०अ० १ में अपील का प्ररूप दो प्रतियों में काला किया जाएगा और उसके साथ अन्य निर्णयिक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की दो प्रतियों (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और केंद्रीय उत्तराधीन या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा ऐसे प्राधिकारी को कलक्टर (अपील) को आवेदन करने के लिए निदेश करने हुए पारित आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी।

214. कलक्टर (अपील) को आवेदन का प्रवय

(1) धारा 35क की उपधारा (5) के अधीन कलक्टर (अपील) को आवेदन प्रवय सं० के०उ०शु०अ० २ में किया जाएगा।

(2) आवेदन का प्रवय, प्रवय सं०के०उ०शु०अ० २ में दो प्रतियों में काला किया जाएगा और उसके साथ अन्य निर्णयिक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की दो प्रतियों (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और केंद्रीय उत्तराधीन या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा ऐसे प्राधिकारी को कलक्टर (अपील) को आवेदन करने के लिए निदेश करने हुए पारित आदेश की एक प्रति लगाई जाएगी।

215. कलक्टर (अपील) के सभग अतिरिक्त साक्ष्य पेश करना

(1) अपीलार्थी, कलक्टर (अपील) के सभग उस साक्ष्य से भिन्न जो उसने अन्यान्यिक प्राधिकारी के समक्ष आवेदन के दौरान पेश किया हो कोई साक्ष्य चाहे वह भौतिक हो या इस्तावेजी, निम्नविवित परिस्थितियों के सिवाए, पेश करने का हक्कादार नहीं होगा, अपेक्षा:-

- (क) जहाँ अपीलार्थी ने ऐसे साक्ष्य को स्वीकार करने से इकार कर दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया जाना चाहिए;
- (ख) जहाँ अपीलार्थी को, उस साक्ष्य को, जिसे पेश करने के लिए उस प्राधिकारी ने उससे अपेक्षा की थी पेश करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है;
- (ग) जहाँ अपीलार्थी को प्राधिकारी के सभग किसी साक्ष्य को जो अपील के किसी आधार से मुसंगत है पेश करने से पर्याप्त कारण से रोका गया था; या
- (घ) जहाँ अपीलार्थी को प्राधिकारी ने, अपीलार्थी को अपील के किसी आधार से मुसंगत साक्ष्य को पेश करने का पर्याप्त प्रबंधर दिए बिला, आदेश कर दिया है।
- (२) उप-नियम (1) के अधीन कोई भी साक्ष्य तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि कलक्टर (अपील) स्वीकार किए जाने के कारणों को अनिवार्यत न करे।

(3) कलक्टर (अपील), उप नियम (1) के अधीन पेश किए गए किसी साक्ष्य को तब तक नहीं लेगा जब तक कि अन्यान्यिक प्राधिकारी या उक्त प्राधिकारी द्वारा इन निमित्त प्राधिकृत किसी प्रधिकारी को--

- (क) साक्ष्य या इस्तावेजों की परीक्षा करने या अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षी की प्रति परीक्षा करने, या
- (ख) किसी साक्ष्य को प्रस्तुत करने प्रथमा उप नियम (1) के अधीन अपीलार्थी द्वारा पेश किए गए साक्ष्य का संडर करने के लिए कोई साक्षी प्रस्तुत करने का कोई युक्तियुक्त अवमर न दिया गया हो।

(4) इस नियम में अन्तर्विष्ट किसी व्यात से कलक्टर (अपील) की किसी इस्तावेज को पेश करने या किसी साक्षी की परीक्षा करने के लिए निदेश देने की शक्तियों पर जिससे कि वह अपील का निपटारा कर सके प्रभाव नहीं पड़े।

अध्याय 12-वा

अपील प्रधिकरण को अपील

216. अपील प्रधिकरण को अपीलों द्वारा का प्रवय

(1) धारा 35-वा की उप धारा (1) के अधीन अपील प्रधिकरण को कोई अपील प्रवय सं० के०उ०शु०अ० ३ में की जाएगी।

(2) धारा 35-वा की उप धारा (4) के अधीन अपील प्रधिकरण को प्रत्याक्षेपों का जापन प्रवय सं० के०उ०शु०अ० ४ में किया जाएगा।

(3) जहाँ धारा 35-वा की उपधारा (1) के अधीन कोई अपील, या उस धारा की उपधारा (4) के अधीन प्रत्याक्षेपों का जापन, केंद्रीय उत्तराधीन शुल्क से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की जाती है/दिया जाता है तो कलान: प्रवय सं० के०उ०शु०अ० ३ और के०उ०शु०अ० ४ में यथाधृष्टिविष्ट अपील के आधार, प्रत्याक्षेपों के आधार और मत्यापन के प्रवय पर नियम 213 के उप नियम (2) में विविष्ट व्यक्ति द्वारा संस्कार किए जाएं।

(4) अपील का प्रवय प्रवय सं०के०उ०शु०अ० ३ और प्रत्याक्षेपों का जापन का प्रवय, प्रवय सं० के०उ०शु०अ० ४ में व्याप्रति काइल किया जाएगा और उसके साथ उस आवेदन की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, समान संक्षया में प्रतियों लगाई जाएगी (जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी)।

217. अपील प्रधिकरण को आवेदन का प्रवय

(1) धारा 35-वा की उपधारा (1) के अधीन अपील प्रधिकरण को कोई आवेदन आवेदन प्रवय संक्षया के०उ०शु०अ० ५ में किया जाएगा।

(2) आवेदन का प्रवय, प्रवय सं० के०उ०शु०अ० ५ में व्याप्रति काइल में घरा जाएगा और उसके साथ केंद्रीय उत्तराधीन शुल्क या सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा पारित आदेश या विनिश्चय की प्रतियों बराबर की संक्षया में जिनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी और ऐसे कलक्टर को अपील प्रधिकरण को आवेदन करने के लिए निर्देशित करते हुए प्रशासक सक द्वारा पारित किए गए आदेश की प्रति लगाई जाएगी।

218. उच्च स्वायालय को निर्देश के लिए अपील प्रधिकरण को आवेदन का प्रवय

(1) धारा 35-वा की उपधारा (1) के अधीन कोई आवेदन अपील प्रधिकरण से यह अपेक्षा करते हुए कि वह विधि के किसी प्रवय का निर्देश उच्च स्वायालय को करे प्रवय संक्षया के०उ०शु०अ० ६ में किया जाएगा और ऐसा आवेदन सीन प्रतियों में काइल किया जाएगा।

(2) धारा 35-वा की उपधारा (2) के अधीन अपील प्रधिकरण को प्रत्याक्षेपों का जापन प्रवय संक्षया के०उ०शु०अ० ७ में किया जाएगा और ऐसा जापन सीन प्रतियों में काइल किया जाएगा।

(3) जहां द्वारा 357 की उपधारा (1) के प्रधीन कोई आवेदन या उक्त धारा की उपधारा (2) के अधीन प्रत्याक्षरों का ज्ञापन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या सीमा शुल्क कलबटर से विश्व किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है तो कमशः प्रलूप संख्या के०उ०श०श० 6, के०उ०श०श० 7 में यथा अन्तर्विष्ट आवेदन, प्रत्याक्षरों के ज्ञापन और भव्यापन के प्रक्षेपों पर नियम 213 के उपनियम 2 में विनियिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

अध्याय 12-ग

अपीलों से संबंधित अध्ययन

219. अपील अधिकरण की भाषा :—(1) अपील अधिकरण की भाषा अंग्रेजी होगी।

(2) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट बात के हृते हुए भी अपील अधिकरण के समक्ष कार्यवाही के पक्षकार, यदि वे ऐसा चाहें तो हिन्दी में लिखें गए दस्तावेज फाइल कर सकेंगे।

220. अपीलों आवि के फाइल करने के लिए प्रक्रिया

(1) अपील प्राप्त संख्या के०उ०श०श० 3 में या प्रत्याक्षरों का ज्ञापन प्रलूप संख्या के०उ०श०श० 4 में अध्यवा के०उ०श०श० 7 में या आवेदन प्रलूप संख्या के०उ०श०श० 5 में अध्यवा के०उ०श०श० 6 में व्यक्तिगत रूप से रजिस्ट्रार या रजिस्ट्रार द्वारा इस निभित प्राधिकृत किसी अधिकारी के पास उपस्थापित किया जाएगा या रजिस्ट्रार अध्यवा अधिकारी को संबंधित रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन कोई अपील या प्रत्याक्षरों का ज्ञापन या डाक द्वारा भेजा गया आवेदन रजिस्ट्रार या रजिस्ट्रार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को उस तारीख को जिसको वह यथास्थिति रजिस्ट्रार के कार्यालय में या ऐसे अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त होता है उपस्थापित किया गया समझा जाएगा।

220-क. अपीलों आवि के उपस्थापित करने की तारीख

नियम 220 के प्रधीन यथास्थिति रजिस्ट्रार या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी प्रत्येक अपील या प्रत्याक्षरों के ज्ञापन या आवेदन पर वह तारीख पूछाक्ति करेगा, जिसको वह उस नियम के अधीन उपस्थापित किया जाता है या उपस्थापित किया गया समझा जाता है और पूछाक्ति पर हस्ताक्षर करेगा।

220-ख. किसी व्यक्ति को प्रत्यार्थी के रूप में संयोजित किया जा सकेगा

(1) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलबटर से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा की गई अपील में कलबटर को प्रत्यार्थी बनाया जाएगा।

(2) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलबटर द्वारा को गई अपील या किए गए आवेदन में दूसरे पक्षकार को यथास्थिति अपील या आवेदन में प्रत्यर्थी बनाया जाएगा।

220-ग. प्राधिकृत प्रतिनिधियों को प्राधिकृत करने वाले दस्तावेज का अपील आवि से संलग्न किया जाएगा

विभागीय प्राधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा फाइल की गई किसी अपील या प्रत्याक्षरों के ज्ञापन या आवेदन में प्रतिनिधि को हस्ताक्षर करने और उसकी ओर से उपसंजात होने के लिए प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज जहां वह उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित है ऐसी अपील या प्रत्याक्षरों के ज्ञापन या आवेदन से संलग्न किया जाएगा।

220-घ. दूसरे पक्षकार को प्रतियां पूछाक्ति करना

अपील अधिकरण अधीन या प्रत्याक्षरों के ज्ञापन या आवेदन की एक प्रति जैसे ही वह फाइल की जाती है, दूसरे पक्षकार को भेजेगा।

220-इ. रोक प्रतीक्षा के फाइल करने और निपटाने के लिए प्रक्रिया

(1) (क) मांगें गए किसी शुल्क या उपग्रहीत शास्ति का निकेप करने की अपेक्षा के रोक के लिए प्राधिकृतम् के उपबंध के अधीन किया गया प्रत्येक आवेदन अपीलार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रभिकर्ता द्वारा तीन प्रतियों में उपस्थापित किया जाएगा या रजिस्ट्रार को अध्यवा अपीलों को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(ब) ऐसे आवेदन में से प्रत्येक की एक प्रति ही आवेदक द्वारा कलबटर के प्राधिकृत प्रतिनिधि पर साथ साथ लामील की जाएगी।

(2) रोक के लिए प्रत्येक आवेदन कागज के एक तरफ स्कैच टाइप किया जाएगा और अंग्रेजी में होगा और नियम 219 के उप-नियम (2) के उपबंध ऐसे आवेदन को लागू होगे।

(3) रोक के लिए आवेदन में संक्षिप्त रूप से निम्नलिखित का कथन किया जाएगा :

(क) उस शुल्क या शास्ति की मांग की बाबत तथ्य, जिसके निकेप के बारे में यह चाहा गया है कि वह रोका/रोकी जाए।

(ख) शुल्क या शास्ति की ठीक ठीक रकम और उसमें की निर्विवाद रकम और बकाया रकम,

(ग) अधिकरण के समक्ष अपील फाइल करने की तारीख और उसकी संख्या, यदि जात हो,

(घ) क्या रोक के लिए आवेदन अधिकरण के अधीन किसी प्राधिकारी के समक्ष किया गया था या किसी सिविल न्यायालय के समझ और यदि ऐसा है तो उसका परिणाम (पत्रावार, यदि कोई हो, की प्रतियां ऐसे अधिकार के साथ संलग्न की जाएंगी)

(ड) रोक भागे के लिए संक्षेप में कारण,

(च) क्या आवेदक प्रतिकृति की प्रस्थापना करने के लिए तैयार है और यदि ऐसा है तो किस रूप में,

(छ) प्रार्थनाओं का स्पष्टतः और संक्षेप में उल्लेख किया जाए (उस निविल रकम का कथन किया जाए जिसके बारे में चाहा गया है कि वह रोकी जाए)

(५) आवेदन की अन्तर्वस्तुओं का अपीलार्थी द्वारा या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रभिकर्ता द्वारा शपथ लेकर समर्थन किया जाएगा।

(५) रोक के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ संबंधित विभाग के प्राधिकारियों के सुसंगत आदेशों की सीन प्रतियां होंगी जिनके अन्तर्वात वे अपील आदेश, यदि कोई हों, जिनके विश्व अपीलार्थी द्वारा अपील अधिकरण को अपील फाइल को गई है और अन्य दस्तावेज, यदि कोई हों, भी हैं :

तथापि यह कि अपील अधिकरण अपने विवेक से और प्राधिकृत के अनुरोध पर ऐसे आदेशों की प्रतियां फाइल करने की अपेक्षाओं से छूट वे सकेगा।

(६) कोई आवेदन, जो उक्त अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है, संक्षेपतः नाभंजूर किया जा सकेगा।

5. उक्त नियमों के नियम 232के पश्चात् निम्नलिखित मियम प्रतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

232-ख. प्राधिकृत प्रतिनिधियों के लिए अहताएं

भाग 35घ के प्रयोजनों के लिए किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि में ऐसा व्यक्ति सम्मिलित होगा, जिसने निम्नलिखित अहताओं में से, जो कि उक्त

धारा 35य की उपधारा (२) के खण्ड (ग) के ज्ञात विशिष्ट प्रदृशाएं हैं, कोई अहत अर्जित करनी है, प्रथम्:—

(क) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ के भीतर कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट, या

(ख) लागत और संकर्ष अकाउंटेंट अधिनियम, 1959 (1959 का 23) के अर्थ के भीतर कोई लागत लेखापाल, या

(ग) धरणी मधिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) के अर्थ के भीतर कोई कंपनी सचिव, और जिसमें उसन अधिनियम की धारा 6 के अर्धन व्यवाय का प्रमाण पता प्राप्त कर दिया है, या

(घ) किसी सान्तानप्राप्त विश्वविद्यालय में वाणिज्य में स्नातकोन्नर या शास्त्रीय की उपाधि धारण करने वाला या व्याकाय प्राप्तन में स्नातकोन्नर ग्राही तथा इन्होंना धारण करने वाला कोई व्यक्ति, या

(इ) काई ऐसा व्यक्ति जो किसी शुल्क या केंद्र या उत्पाद शुल्क या स्वाप्त विभागों में पहुँचे तियोंगिया या और जो उक्त विभागों में से पाक या पाक से प्राप्ति में किसी हैंडियां में कुल मिलाकर कम रो कम दस वर्ष मेंदा करने के पात्रात् ऐसे नियाजन में भवानिवृत्त हो गया है या जिसमें पद त्याग दिया है।

स्पष्टीकरण : इस नियम में “मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय” से जूने दिनरिप्ट विश्वविद्यालयों ने जो कोई विश्वविद्यालय अधिग्रहित है अर्थात्:—

(i) भारतीय विश्वविद्यालय : नस्मय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन नियमित काई भारतीय विश्वविद्यालय,

(ii) राजन विश्वविद्यालय

(iii) प्रिटिश और बैल्य विश्वविद्यालय : बर्मिंघम, डर्हम, लीड्स लिवर्पूल, लॉण्डन, मैनचेस्टर, मिडिंग, शफ़फ़ल्ड और बैंग के विश्वविद्यालय,

(iv) स्टाट्सैट के विश्वविद्यालय उत्तरी एडिगर्डन लाम्बो रेट एन्ड जॉन के विश्वविद्यालय

(v) श्रावरैड के विश्वविद्यालय

डब्लिन, (ट्रिनिटी फ्लाईशालय) के विश्वविद्यालय, दर्बन का विश्वविद्यालय बैनफार्ट और डर्वलिन का ग्रामीण विश्वविद्यालय,

(vi) पाकिस्तान के विश्वविद्यालय :

नस्मय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा नियमित कोई पाकिस्तानी विश्वविद्यालय,

(vii) बंगलादेश के विश्वविद्यालय :

तालमय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा नियमित कोई बंगलादेश के विश्वविद्यालय।

235-ग धारा 35य (५)(ज) के अधीन प्राप्तकरी

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटर जिसकी अधिकारिता ऐसी कार्यवाहियों में है जिसमें प्रमुख व्यक्ति, जो कोई विधि अवगत नहीं है अधिनियम के अधीन उक्त कलकटरिया के गब्रव में अलनार का दोषी पता या है धारा 35य की उपधारा (५) के खण्ड (ग) के प्रयोजनों के लिए अधिकारी होगा।

6. उक्त नियमों के परिशिष्ट क (1) में:—

(क) “क (1) के नीय उत्पाद शुल्क प्रख्यों की सूची” में कम सं ८७ और उनसे संबंधित प्रतिलिपियों के पश्चात् निम्नलिखित अनुस्यापित किया जाएगा अर्थात्:—

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आधिकारी सं०	प्रख्य का वर्णन	नियम सं०	संक्षिप्त नाम
88.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन कलकटर (अपील) को अपील या प्रख्य।	213	क०.उ०.श०० १
89.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन कलकटर (अपील) को आवेदन का प्रख्य।	214	“ ” २
90.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन अपील अधिकरण की अपील का प्रख्य।	216	“ ” १
91.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन अधिकरण को प्रत्याक्षेपों के जापन का प्रख्य।	216	“ ” ३
92.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन अपील अधिकरण को आवेदन का प्रख्य।	217	“ ” ५
93.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन अपील अधिकरण को निर्देश-आवेदन का प्रख्य	218	“ ” ६
94.	अधिनियम की धारा 35 के अधीन उच्च व्यायालय को निर्देश के मामले में, अपील अधिकरण को प्रत्याक्षेपों के जापन का प्रख्य।	218	“ ” ७

(ख) “ख (II) नमूना प्रख्य” में:—

के पश्चात् निम्नलिखित प्रख्य अनुस्यापित किए जाएंगे, प्रथम्:— प्रख्य मध्या के ० उ०.श००.श०० ।

[नियम 213(1) देख]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और समक अधिनियम, 1941 को धारा 35 के प्रवान कलकटर (अपील) का अपील का प्रख्य।

- संख्या ————— वर्ष —————
- अपीलार्थी का नाम और पता —————
- उस अधिकारी का पदभिन्न और पता जिसने वह विनियोग ५१ ग्राही पारित किया है विनियोग अपील की गई है और विनियोग या प्रायेश की तारीख।
- अपीलार्थी को उस विनियोग या अदाएग को, जिसने विनियोग प्रपोज की गई है, संसूचित करने की तारीख।
- पता जिस पर अपीलार्थी को यूवता एवं देशी न होता।
- क्वाश शुल्क या शास्त्रिय या घोरों का निर्वन कर दिया गया है, वर्त महीं तो क्या ऐसे निश्चेष से अभियुक्त कर दिए जाने के लिए

आवेदन किया गया है। (आलान की एक प्रति जिल्हे आवेदन निष्कृप किया गया है, इसके साथ दी जाए)।

7 अप्रील में नावा की गई राहत ।

तथ्यों का कथन अपील के आधार

अपोलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रविनिधि
यदि कोई है, के हर 10 तर

માર્ગાપન

मेरी लार्थी यह घोणा करता है कि ऊपर जो कठिन है, वह मरी सर्वोत्तम जानकारी और विषयाग के अनुभव सत्य है।

अर्ज तारीख - - - - - का सत्यापित किया गया ।

स्थान

तारीख—-----

अपीनार्थी के हस्ताक्षर

प्राविकृति दर्शनशिख

यदि कार्ड है, के दस्तावेज़

१ दिप्पण . (१) अपील के आधार और मन्त्रालय प्रत्यापन प्रवर्त्तन पर केन्द्रीय उत्तमादेश
शुल्क नियमों के नियम २१३ के उत्तरदायी के अनुसार अपीलार्डी
द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

(2) प्रातः फ़ा प्रस्ता, जिसके अन्तर्गत नव्या का रुधन और अपात के आधार भी है दो प्रतिवेदों में फाईल विद्या जाएगा जो इन उक्ते साथ उग आदेश या विनिश्चय को जिसके विशद्ध प्राप्ति की गई है, एक प्रति भी लगाई जाएगी।

ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਸੰਖਿਆ ਫੋਉਂਡੋਨ । ਅੰ 2

[नियम 214 देखें]

कर्दाय उपर शुल्क और नवा अधिनियम, 1944 की धारा 35 (ए) (4) के अधीन सेक्टर (प्रोफेशन) को अवैदन का प्रस्तुप.

तारीख —— दिन महीने की संख्या ——

आयोजक
मनाम
प्रद्युम्नी

- आवेदन का पदाधिकारी और पता (पदि आवेदन स्थायीनियक प्राधिकारी नहीं है तो केवल उत्ताद शुल्क कलक्टर में आवेदन करने के लिए प्राधिकरण की एक प्रति संलग्न करें।
 - प्रत्यर्पि का नाम और पता।
 - उत्त प्राधिकारों का पदाधिकारी, और पता जिसने यह विनियम या आदेश पारिया है जिसके संबंध में यह आवेदन किया जा रहा है, तथा विनियम का आदेश की तारीख।
 - वह तारीख जिसको बेल्डिंग उत्ताद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 का धारा 357 की लागतरा (1) के अन्तीम बेल्डिंग उत्ताद शुल्क कलक्टर ने आदेश गायित किया है।
 - न्यायीनियक प्राधिकारी वा उपर्युक्त 4 में निर्दिष्ट आदेश, समूचा करने की तारीख।

६ राहत के लिए प्रार्थना पत ।

तथ्यो फाक्यन

आवेदक के हस्ताक्षर

ठिक्कण . आवेदन का रूप, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का हथा आवेदन के आधार भी है, वो पाठ्या में फाइल रिपोजिटरी और उसके साथ व्यार्थनियमक्रम प्रावक्तव्यी होगा पासित विनियम वा आदेश को दो प्रकारों (जिसमें से कभी से कभी एक प्रकारण प्राप्त होगा) भारत अधिनियम की धारा ३६८ वीं उपवाया (१) के अधीन केन्द्रीय डिपार्टमेंट कलक्टर के आदेश वीरे एक प्राप्त लगाई जाएगी ।

प्रस्तुत स० क०उ०ण०अ० ३

[नियम २१६ (१) देखे]

केन्द्रीय उत्ताप युक्त और नाइट अवॉर्निम, 1944 को वारा 35 खंड
अवॉरन मप्पील अधिकरण को धारीय का प्रस्तु ।

मीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद गुना और स्वर्ण नियंत्रण अपील आविष्कार से वर्ष - - - - का अपील संचालन - - - -

अष्टोलार्थी
वनम
प्रत्यर्थी

10. अपील में दावा की गई राहत ।

तथ्यों का कथन
अपील के आधार

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

इत्याविः

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं अपीलार्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख ... को सत्यापित किया गया।

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणः—

- (1) यदि अपील केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर से मिल किसी अवित द्वारा की गई है तो अपील के आधार और सत्यापन के प्रारूप पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नियम 213 के उपबंधों के अनुसार अपीलार्थी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- (2) अपील जिसके प्रत्यर्थी तथ्यों का कथन और अपील के आधार हैं, आर प्रतियों में फाइल की जाएंगी और उसके साथ उग आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, बराबर की संख्या में प्रतियों लगाई जाएंगी (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होंगी)।
- (3) अपील का प्रलूप अपेजी (या हिन्दी) में होना चाहिए और उसमें संक्षिप्ततः तथा सुभित्त शीर्षकों के अधीन अपील के आधार बिना किसी तर्क के या वर्णन के उपर्युक्त होने चाहिए और ऐसे आधार संबंधित किए जाने चाहिए।
- (4) अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदाय किए जाने के लिए अपेक्षित 200 रु. की फीस का संदाय अधिकरण की न्यायपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में उस स्थान पर, जहाँ न्यायपीठ स्थित है, अवश्यकत राष्ट्रीयकृत बैंक की किसी शाखा पर लिखे गए कास बैंक ड्राफ्ट की मार्फत किया जाएगा और मांगदेय ड्राफ्ट अपील के प्रलूप के साथ संलग्न किया जाएगा।

प्रलूप संख्या के ०७०७०००० ४

[नियम 216 (2) वें]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 वाँ के अधीन अपील अधिकरण को किए जाने वाले प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रलूप।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियन्त्रण) अपील अधिकरण में

वर्ष का प्रत्याक्षेप सं०

वर्ष की अपील संख्या में

अपीलार्थी/आवेदक
बनाम
प्रत्यर्थी

1. राज्य/संघ राज्य द्वारा और वह कलक्टरी, जिसमें निर्धारण शास्ति/जुमानि का प्राप्तेण/विनिश्चय किया गया था।
2. यास्तिथि अपीलार्थी या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर द्वारा अधिकरण को फाइल की गई अपील या ग्रावेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।
3. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं सेजी जा सकेंगी।
4. पता जिस पर अपीलार्थी/आवेदक को सूचना भेजी जा सकेंगी।
5. क्या उस विनिश्चय था आदेश में जिसके विरुद्ध अपील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अत्यर्वालित है जिसका संबंध शुल्क की दर या निर्धारण के प्रयोगार्थ माल के मूल्य से है, यदि नहीं तो यास्तिथि शुल्क या अत्यर्वालित शुल्क जुमानि की रफ़म या अत्यर्वालित शास्तियाँ अंतर्वालित माल के मूल्य में अत्यर।
6. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन में दावा की गई राहतें।

प्रत्याक्षेपों के आधार

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

प्राधिकृत प्रतिनिधि

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पण

1. प्रत्याक्षेपों के आधार और सत्यापन के प्रलूप पर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 213 के उपबंधों के अनुसार प्रत्यर्थी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।
2. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रलूप अपेजी (या हिन्दी में) होगा और उसमें संक्षिप्ततः तथा सुभित्त शीर्षकों के अधीन प्रत्याक्षेपों के आधार बिना किसी तर्क के वर्णन के उपर्युक्त होंगे और ऐसे आधारों को क्रमांक संलग्नित किया जाएगा।
3. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रलूप अपेजी (या हिन्दी में) होगा और उसमें संक्षिप्ततः तथा सुभित्त शीर्षकों के अधीन प्रत्याक्षेपों के आधार बिना किसी तर्क के वर्णन के उपर्युक्त होंगे और ऐसे आधारों को क्रमांक संलग्नित किया जाएगा।
4. अपील/आवेदन की वह संख्या और वर्ष, जो अपील अधिकरण द्वारा अंतर्वालित हो और प्रत्यर्थी को प्राप्त अपील/ग्रावेदन की सूचना दर्शित हो, प्रत्यर्थी द्वारा फाइल किए जाएंगे।

प्रकल्प संख्या के ०७०८०८० ५
(नियम ७ वें)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 छ
(1) के अधीन अपील अधिकरण को आवेदन का प्रस्तुप ।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में

वर्ष '.....' की अपील संख्या '.....'

आवेदक
बनाम
प्रत्यर्थी

- प्रार्थी का पदाधिकारी और पता (यदि प्रार्थी व्याय निर्णयक प्राधिकारी नहीं है तो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलक्टर से आवेदन करने के लिए प्राधिकरण की एक प्रति संलग्न करें) ।
- प्रत्यर्थी का नाम और पता ।
- उस अधिकारी का पदाधिकारी और पता, जिसने वह विनिश्चय या आदेश प्राप्त किया है, जिसकी बाबत यह आवेदन किया जा रहा है, सथा विनिश्चय या आदेश की तारीख ।
- राज्य/सेवा राज्य क्षेत्र और कलक्टर जिसमें विनिश्चय/आदेश किया गया था ।
- तारीख जिसको केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 छ की उपधारा (1) के अधीन प्रशासक द्वारा आदेश पारित किया गया है ।
- व्यायनियक प्राधिकारी के उपर्युक्त ३ में निर्दिष्ट आवेदन को संसूचित करने की तारीख ।
- यह उस विनिश्चय या आदेश में जिसके विरुद्ध अपील की गई है कोई ऐसा प्रश्न अंतर्वैलित है जिसका संबंध शुल्क की दर या निधारण के प्रयोजनार्थ माल के मूल्य से है, यदि नहीं तो यथास्थित शुल्क या अन्तर्वैलित शुल्क जुमति की रूप या अंतर्वैलित शास्त्रियां अंतर्वैलित माल के मूल्य में अंतर ।
- आवेदन में दावा की गई यहते ।

तथ्यों का कथन
आवेदन के आधार
आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

टिप्पणः—आवेदन का प्रस्तुप, जिसके अंतर्गत तथ्यों का कथन और आवेदन के आधार भी हैं, चार प्रतियों में काढ़ल किये जाएँगे और उमके साथ व्यायनियक प्राधिकारी द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की प्रतियों बराबर की संख्या में (जिनमें से कम में कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और धारा 35 छ की उपधारा (1) के अधीन बोर्ड द्वारा आदेश की एक प्रति लगाई जाएँगी ।

प्रस्तुप सं० के०७०८०८० ६

[नियम 218 (1) वें]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 (छ) (1) के अधीन निर्देश आवेदन का प्रस्तुप ।

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में

(अपीलर्थी का नाम) की अपील के मामले में वर्ष का (निर्देश आवेदन संख्या)
(कार्यालय द्वारा भरा जाए)

..... आवेदक
बनाम
..... प्रत्यर्थी

1. राज्य या मंत्र राज्य क्षेत्र और वह कलक्टरी जहां से आवेदन काइ गया गया है ।

2. अपील की संख्या जिससे निर्देश उद्भूत होना है ।

3. पता जिस पर आवेदक को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी ।

4. पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी ।

5. उपर्युक्त अपील का विनिश्चय तारीख को अपील अधिकरण की व्यापीठ द्वारा किया गया था ।

6. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 छ के अधीन आदेश की सूचना की तारीख आवेदक पर को की गई थी ।

7. व्याय, जो अपील अधिकरण द्वारा स्वीकार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का कथन बनाने के लिए आवश्यक हैं, तुरंत निर्देश के लिए संतुलनक में कथित हैं ।

8. अपील अधिकरण के आवेदन से निम्नलिखित विधि के प्रश्न उत्पूत होते हैं—

(1)

(2)

(3)

(4)

इत्यादि

9. आवेदक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 छ की उपधारा (1) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि मामले का कथन बनाया जाए और पैरा 8 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च व्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए ।

10. नीचे विनिविष्ट रूप में दस्तावेजों और उनकी प्रतियों को (जहां दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद आवश्यक है, संलग्न है) मामले के कथन के साथ उच्च व्यायालय को अपेक्षित किया जाए ।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

—सत्यापन

मैं आवेदक घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी स्वीकृति जानकारी और विश्वास के अनुसार मत्य है । आज तारीख को सत्यापित किया गया ।

प्राधिकृत प्रतिनिधि,
यदि कोई है, के हस्ताक्षर

आवेदक के हस्ताक्षर

ट्रिप्पण

1. आवेदन तथा उत्तराद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 के नियम 213 के उपर्याएँ को अनुग्राम आवेदक द्वारा हस्ताक्षर किए जाएँ।

2. आवेदन सीन प्रतियों ने फाइल किया जाएगा।

3. अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदाय किए जाने के लिए अपेक्षित 200 रु. का फाल या सदाय अधिकरण की न्यायपाठ के महायक रजिस्ट्रार के पश्च में उन स्थान पर जहाँ न्यायपाठ स्थित है, अवस्थित राष्ट्र यष्टि बैठक की विस्ता शाखा पर लिखे गए नाम बैठक ड्राफ्ट की मार्फत किए जाएंगा और मांगदेय ड्राफ्ट निर्देश आवेदन के प्रारूप के साथ संभाल किया जाएगा।

प्रम्लय सं. को० ७००८००८० ७

[नियम 218 (2) विवेद]

नेट्रियन उत्ताद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की भारा 35 (छ) (१) के अधीन उच्च न्यायालय का निर्देश के मामले में अपील अधिनियम को किए जाने वाले प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन का प्रलृप।

गंगा शुल्क, नेट्रियन उत्ताद शुल्क और स्वर्ण (निरंकृण) अपील अधिकरण में

वर्ष... का प्रति निर्देश आवेदन संख्या

वर्ष... का निर्देश आवेदन संख्या

..... आवेदक

बनाम

..... प्रत्यर्थी

1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और कलकत्ता जहाँ से प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन फाइल किया गया है।

2. प्रत्यर्थी द्वारा अपील अधिकरण में फाइल किए गए आवेदन की सूचना की प्राप्ति की तारीख।

3. पता जिस पर प्रत्यर्थी को गूच्छाएँ भेजी जा सकती।

4. पता जिस पर आवेदक को सूचनाएँ भेजी जा सकती।

5. तथ्य जो अपील अधिकरण द्वारा रख कार किए गए और/या पाए गए हैं तथा जो मामले का वायन बनाने के लिए आवश्यक हैं, सुनान निर्देश के लिए संलग्नक में कथित हैं।

6. अपील अधिकरण के आदेश में निम्नलिखित विधि के प्रश्न उद्भुत हैं—

1.

2.

3.

4.

7. प्रत्यर्थी नेट्रियन उत्ताद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की भारा 35 (छ) के उपाधा (१) के अधीन यह अपेक्षा करता है कि आवेदन का गफन बांग जाए और उपर्युक्त पैरा 6 में निर्दिष्ट विधि के प्रश्नों को उच्च न्यायालय को निर्दिष्ट किया जाए।

8. नीचे विनिश्चित स्पष्ट में दस्तावेज़ा और उनकी प्रतियों को (उड़ा दस्तावेज़ा का अर्गेजी अनुवाद आवश्यक गलत है) भास्तव्य के उपर्युक्त साथ उच्च न्यायालय का प्रयोगिता किया जाए।

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं प्रत्यर्थी यह घोषणा करता हूँ कि जो ऊपर कथित है, वह मेरी सत्यात्म जानकारी और विवास के अनुसार गलत है।

आज तारीख को सत्यापन किया गया।

प्राधिकृत प्रतिनिधि,

यदि कोई है, के हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी के हस्ताक्षर

ट्रिप्पणी

1. प्रत्याक्षेपों के ज्ञापन के प्रम्लय और सत्यापन के प्रम्लय पर केंद्रीय उत्ताद शुल्क नियम, 1944 के नियम 213 के उपर्याएँ के अनुसार हस्ताक्षर किए जायेंगे।

2. प्रत्याक्षेपों का ज्ञापन सीन प्रतियों में फाइल किया जायेगा।

[फा० सं० 208/25/82-के०उ० ६]

सी० महेश, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1982

No. 214/82-CENTRAL EXCISE

G S.R. 563(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Excise (11th Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. In rule 2 of the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in clause (iiia),—

(a) for the words, "Appellate Collector" means the words and brackets, "Collector (Appeals)" means shall be substituted :

(b) for the words "Appellate Collector of Central Excise" wherever they occur, the words and brackets "Collector of Central Excise (Appeals)" shall be substituted.

3. In Chapter XII of the said rules,—

(a) for the heading "Penalties, confiscations and appeals", the heading "Penalties and confiscations" shall be substituted;

(b) rules 213 and 214 shall be omitted.

4. After Chapter XII of the said rules, the following Chapters shall be inserted, namely :—

"CHAPTER XIII

Appeals to Collector (Appeal)

213. Form of appeal to Collector (Appeals)

- (1) An appeal under sub-section (1) of section 35 to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. E.A.1.
- (2) The grounds of appeal and the form of verification as contained in Form No. E.A.1, shall be signed—
 - (a) in the case of an individual, by the individual himself or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf and; where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
 - (b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
 - (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof;
 - (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;
 - (e) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
 - (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.
- (3) The form of appeal in Form No. E.A.1, shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

214. Form of application to the Collector (Appeals)

- (1) An application under sub-section (4) of section 35E to the Collector (Appeals) shall be made in Form No. E.A.-2.
- (2) The form of application in Form No. E.A.-2 shall be filed in duplicate and shall be accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order passed by the Collector of Central Excise directing such authority to apply to the Collector (Appeals).

215. Production of additional evidence before Collector (Appeals).

- (1) The appellant shall not be entitled to produce before the Collector (Appeals) any evidence, whether oral or documentary, other than the evidence produced by him during the course of the proceedings before the adjudicating authority except in the following circumstances, namely :—
 - (a) where the adjudicating authority has refused to admit evidence which ought to have been admitted; or
 - (b) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing the evidence which he was called upon to produce by the adjudicating authority; or
 - (c) where the appellant was prevented by sufficient cause from producing before the adjudicating authority any evidence which is relevant to any ground of appeal; or
 - (d) where the adjudicating authority has made the order appealed against without giving sufficient opportunity to the appellant to adduce evidence relevant to any ground of appeal.

- (2) No evidence shall be admitted under sub-rule (1) unless the Collector (Appeals) records in writing the reasons for its admission.
- (3) The Collector (Appeals) shall not take any evidence produced under sub-rule (1) unless the adjudicating authority or an officer authorised in this behalf by the said authority has been allowed a reasonable opportunity :—
 - (a) to examine the evidence or document or to cross-examine any witness produced by the appellant, or
 - (b) to produce any evidence or any witness in rebuttal of the evidence produced by the appellant under sub-rule (1).
- (4) Nothing contained in this rule shall affect the power of the Collector (Appeals) to direct the production of any document, or the examination of any witness, to enable him to dispose of the appeal.

CHAPTER XII-B

Appeals to Appellate Tribunal

216. Form of appeal, etc. to the Appellate Tribunal.

- (1) An appeal under sub-section (1) of section 35B to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. E.A.-3.
- (2) A memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal under sub-section (4) of section 35B shall be made in Form No. E.A.-4.
- (3) Where an appeal under sub-section (1) of section 35B or a memorandum of cross-objections under sub-section (4) of that section is made by any person other than the Collector of Central Excise, the grounds of appeal, the grounds of cross-objections and the forms of verification as contained in Form Nos. E.A.-3 and E.A.-4, as the case may be, respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 213.
- (4) The form of appeal in Form No. E.A.3 and the form of memorandum of cross-objections in Form No. F.A.-4 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against (one of which at least shall be a certified copy).

217. Form of application to the Appellate Tribunal.

- (1) An application under sub-section (1) of section 35E to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. E.A.-5.
- (2) The form of application in Form No. E.A.5 shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the Collector of Central Excise (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order passed by the Board directing such Collector to apply to the Appellate Tribunal.

218. Form of application to the Appellate Tribunal for reference to the High Court.

- (1) An application under sub-section (1) of section 35G requiring the Appellate Tribunal to refer to the High Court any question of law shall be made in Form No. E.A.-6 and such application shall be filed in triplicate.
- (2) A memorandum of cross-objections under sub-section (2) of section 35G to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. E.A.-7 and such memorandum shall be filed in triplicate.
- (3) Where an application under sub-section (1) of section 35G or a memorandum of cross-objections under sub-section (2) of that section is made by any person other than the Collector of Central Excise, the application, the memorandum and the forms of verification as contained in Form Nos. F.A.-6 and E.A.-7 respectively shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 213".

CHAPTER—XII C

OTHER MATTERS RELATING TO APPEALS

219. Language of the Appellate Tribunal :

- (1) The language of the Appellate Tribunal shall be English.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) the parties to a proceeding before the Appellate Tribunal may file documents drawn up in Hindi if they so desire.

220. Procedure for filing appeals etc.

- (1) An appeal in Form No. E.A.-3 or a memorandum of cross-objections in Form No. E.A.-4 or Form No. E.A.-7 or an application in Form No. E.A.-5 or Form No. E.A.-6 shall be presented in person to the Registrar or an officer authorised in this behalf by the Registrar or sent by registered post addressed to the Registrar or such officer.
- (2) An appeal or a memorandum of cross-objection or an application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Registrar or to the officer authorised by the Registrar, on the date on which it is received in the office of the Registrar, or as the case may be in the office of such officer.

220A. Date of presentation of appeals etc.

The Registrar, or as the case may be, the officer authorised by him under rule 220 shall endorse on every appeal or memorandum of cross-objections or application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign the endorsement.

220B. Who may be joined as respondents :

- (1) In an appeal by a person other than the Collector of Central Excise, the Collector concerned shall be made the respondent to the appeal.
- (2) In an appeal or an application by the Collector of Central Excise, the other party shall be made the respondent to the appeal or application, as the case may be.

220C. Document authorising authorised representatives to be attached to the appeal etc.

In any appeal, or memorandum of cross-objections or application, filed by any person other than a departmental authority, where it is signed by his authorised representative, the document authorising the representative to sign and appear for him shall be appended to such appeal or memorandum of cross-objections or application.

220D. Endorsing copies to the other party :

The Appellate Tribunal shall send a copy of the appeal or memorandum of cross-objections or application to the other party as soon as it is filed.

220E. Procedure for filing and disposal of stay petition :

- (1) (a) Every application preferred under the provisions of the Act for stay of the requirement of making deposit of any duty demanded or penalty levied shall be presented in triplicate by the appellant in person or by his duly authorised agent, or sent by registered post to the Registrar or any other officer authorised to receive appeals.
- (b) One copy each of such application shall be served on the authorised representative of the Collector simultaneously by the applicant.
- (2) Every application for stay shall be neatly typed on one side of the paper and shall be in English and the provisions of sub-rule (2) of Rule 219 shall apply to such application.
- (3) An application for stay shall set forth concisely the following :
 - (a) the facts regarding the demand of duty or penalty, the deposit whereof is sought to be stayed.

- (b) the exact amount of duty or penalty and the amount undisputed therefrom the amount outstanding;
- (c) the date of filing of the appeal before the Tribunal and its number, if known;
- (d) whether the application for stay was made before any authority under the Act or any civil court and, if so, the result thereof (copies of the correspondence, if any, with such authorities to be attached);
- (e) reasons in brief for seeking stay;
- (f) whether the applicant is prepared to offer security and, if so, in what form;
- (g) prayers to be mentioned clearly and concisely (state the exact amount sought to be stayed).

(4) The contents of the application shall be supported by an affidavit sworn to by the appellant or his duly authorised agent.

(5) Every application for stay shall be accompanied by three copies of the relevant orders of the authorities of the department concerned, including the appellate orders, if any, against which the appeal is filed to the Appellate Tribunal by the Appellant and other documents, if any;

Provided, however, that the Appellate Tribunal may in its discretion and at the request of the applicant, dispense with the requirements of filing of the copies of such orders.

(6) Any application which does not conform to the above requirements is liable to be summarily rejected.

5. After rule 232A of the said rules, the following rules shall be inserted, namely :—

"232B. Qualifications for authorised representatives.—For the purposes of section 35Q, an authorised representative shall include a person who has acquired any of the following qualifications being the qualifications specified under clause (d) of sub-section (2) of section 35Q, namely :—

- (a) a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949), or
- (b) a Cost Accountant within the meaning of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959); or
- (c) a Company Secretary within the meaning of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980) who has obtained a certificate of practice under section 6 of that Act; or
- (d) a post-graduate or an Honours degree holder in Commerce or a post graduate degree or diploma holder in Business Administration from any recognised university; or
- (e) a person formerly employed in the Department of Customs and Central Excise or Narcotics and has retired or resigned from such employment after having rendered service in any capacity in one or more of the said departments for not less than ten years in the aggregate.

Explanation : In this rule "recognised University" means any of the Universities specified below, namely :—

I. Indian Universities

Any Indian University incorporated under any law for the time being in force in India;

II. Rangoon University;

III. English and Welsh Universities

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales;

IV. Scottish Universities

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews;

V. Irish Universities

The Universities of Dublin (Trinity College), the Queen's University, Belfast and the National University of Dublin;

VI. Pakistan Universities

Any Pakistan University incorporated by any law for the time being in force;

VII. Bangladesh Universities

Any Bangladesh University incorporated by any law for the time being in force.

232C. Authority under section 35Q(5)(b)

The Collector of Central Excise having jurisdiction in the proceedings in which a person who is not a legal practitioner is found guilty of misconduct in connection with that proceeding under the Act shall be the authority for the purposes of clause (b) of sub-section (5) of section 35Q.

6. In Appendix A(I) to the said rules —

(a) in "A(I) List of Central Excise Forms", after Central Excise Series No. 87 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

Central Excise Series No.	Description of Forms	Rule No.	Short Title
88.	Form of appeal to the Collector (Appeals) under section 35 of the Act	231	E.A-1
89.	Form of application to the Collector (Appeals) under section 35E of the Act	214	E.A-2
90.	Form of appeal to the Appellate Tribunal under section 35B of the Act	216	E.A-3
91.	Form of memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal under section 35B of the Act	216	E.A-4
92.	Form of application to the Appellate Tribunal under section 35E of the Act	217	E.A-5
93.	Form of reference application to the Appellate Tribunal under Section 35G of the Act	218	E.A-6
95.	Form of memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal in the matter of reference to the High Court under section 35G of the Act	218	E.A-7"

(b) in "B(II) Specimen Forms", after Form C.T. 2, the following Forms shall be inserted namely—

FORM NO. E.A.-1

[See rule 213(1)]

FORM OF APPEAL TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 35 OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944

(1) No. _____ of _____ 19 _____

(2) Name and address of the appellant.

(3) Designation and address of the officer passing the decision or order appealed against and the date of the decision or order.

(4) Date of communication of the decision or order appealed against to the appellant.

(5) Address to which notices may be sent to the appellant.

(6) Whether duty or penalty or both is deposited; if not whether any application for dispensing with such deposit has been made (A copy of the challan number under which the deposit is made shall be furnished)

(7) Reliefs claimed in appeal.**Statement of facts****Grounds of appeals**

Signature of the authorised representative, if any

Signature of the appellant

Verification

I.....the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified to-day, the.....day of.....19.....

Place.....

Date.....

Signature of the authorised representative, if any

Signature of the appellant

Notes : (1) The grounds of appeal and the form of verification shall be signed by the appellant in accordance with the provisions of rule 213 of the Central Excise Rules.

(2) The form of appeal including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision or order appealed against.

**FORM NO. E.A. 2
(See rule 214)****FORM OF APPLICATION TO THE COLLECTOR (APPEALS) UNDER SECTION 35E(4) OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944**

No. _____ of _____ 19 _____

Applicant
Vs.
Respondent

(1) Designation and address of the applicant. If the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Central Excise to make the application should be enclosed.

(2) Name and address of the respondent.

(3) Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

(4) Date on which the order under sub-section (1) of section 35E of the Central Excises and Salt Act, 1944 has been passed by the Collector of Central Excise.

(5) Date of communication of the order referred to in (4) above to the adjudicating authority.

(6) Reliefs claimed in the application.

Statement of facts**Grounds of application**

Signature of the applicant.

Note.—The form of application including statement of facts and grounds of application shall be filed in duplicate and accompanied by two copies of the decision or order passed by the adjudicating authority (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order of the Collector of Central Excise under sub-section (2) of section 35E of the Act.

FORM E.A. 3

{See rule 216(1)}

FORM OF APPEAL TO APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 35B OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944.
In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.
Appeal No. _____ of 19_____

Appellant

Vs.

Respondent.

1. The designation and address of the authority passing the order appealed against.
2. The number and date of the order appealed against.
3. Date of communication of a copy of the order appealed against.
4. State/Union territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/penalty/fine was made.
5. Designation and address of the adjudicating authority in cases where the order appealed against is an order of the Collector (Appeals).
6. Address to which the notices may be sent to the appellant.
7. Address to which notices may be sent to the respondent.
8. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of excise or to the value of goods for purposes of assessment; if not, difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or value of goods involved as the case may be.
9. Whether duty or penalty is deposited; if not, whether any application for dispensing with such deposit has been made. (A copy of the challan under which the deposit is made shall be furnished).
10. Reliefs claimed in appeal.

Statement of Facts
Grounds of Appeal

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

Etc.

Signature of the authorised representative, if any

Signature of the Appellant

VERIFICATION

I, _____, the appellant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the _____ day of _____ 19_____

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the appellant.

NOTES:

1. The grounds of appeal and the form of verification shall if the appeal is made by any person, other

than the Collector of Central Excise, be signed by the appellant in accordance with rule 213 of Central Excise Rules.

2. The appeal including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the order appealed against (one of which at least shall be a certified copy).
3. The form of appeal shall be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of appeal.

FORM NO. E.A. 4

{See rule 216(2)}

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS OBJECTIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 35B OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal

Cross objection No. _____ of 19_____

In appeal No. _____ of 19_____

Appellant

Vs.

Respondent

1. State/Union Territory and the Collectorate in which the order/decision of assessment/penalty/fine was made.
2. Date of receipt of notice of appeal or application filed with the Appellate Tribunal by the appellant or as the case may be, the Collector of Central Excise
3. Address to which notices may be sent to the respondent.
4. Address to which notices may be sent to the appellant/applicant.
5. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of excise or to the value of goods for purposes of assessment; if not, difference in duty or duty involved, or amount of fine or penalty involved or value of goods involved, as the case may be.
6. Reliefs claimed in the memorandum of cross objections.

GROUNDS OF CROSS OBJECTIONS

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

etc.

Signature of the authorised representative, if any.

Signature of the respondent.

VERIFICATION

I, _____ the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified, today, the _____ day of _____ 19_____

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
respondent.

NOTES :

1. The grounds of cross-objections and the form of verification shall be signed by the respondent in accordance with the provisions of rule 213 of the Central Excise Rules, 1944.
2. The form of memorandum of cross objections shall be filed in quadruplicate.
3. The form of memorandum of cross-objections should be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads the grounds of the cross-objections without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. The number and year of appeal/application allotted by the office of the Appellate Tribunal and appearing in the notice of appeal/application received by the respondent is to be filled in by the respondent.

FORM NO. E.A. 5

(See rule 217)

FORM OF APPLICATION TO THE APPELLATE TRIBUNAL UNDER SECTION 35E (1) OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944

In the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal.

Appeal No. _____ of _____

Applicant
Vs.

Respondent.

1. Designation and address of the applicant (If the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Central Excise to make the application should be enclosed).
2. Name and address of the respondent.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.
4. State/Union territory and the Collectorate in which the decision or order was made.
5. Date on which order under sub-section (1) of section 35E of the Central Excises and Salt Act, 1944 has been passed by the Board.
6. Date of communication of the order referred to in (3) above to the adjudicating authority.
7. Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of duty of excise or to the value of goods for purposes of assessment; if not, difference in duty or duty involved, or amount of

fine or penalty involved or value of goods involved, as the case may be.

8. Reliefs claimed in the application.

Statement of facts
Grounds of application

Signature of the
applicant.

Note: The form of application including the statement of facts and grounds of application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decision or order passed by the Collector of Central Excise (one of which at least shall be a certified copy) and a copy of the order passed by the Board under sub-section (1) of Section 35E.

FORM NO. E.A. 6

[See rule 218(1)]

FORM OF REFERENCE APPLICATION UNDER SECTION 35G(1) OF THE CENTRAL EXCISES AND SALT ACT, 1944

In the Customs, Excise, Gold (Control) Appellate Tribunal

In the matter of appeal of _____ (name of the
(appellant))

Reference Application No. _____ of _____ 19_____

(To be filled in by the office)

Applicant

Vs.

Respondent

1. State or Union territory and the Collectorate from which the application is filed.
2. Number of appeal which gives rise to the reference.
3. Address to which notices may be sent to the applicant.
4. Address to which notices may be sent to the respondent.
5. The appeal noted above was decided by the _____ Bench of the Appellate Tribunal on _____.
6. The notice of the order under section 35G of the Central Excises and Salt Act, 1944 was served on the applicant on _____.
7. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.
8. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal.
 - 1.
 - 2.
 3. etc.
9. The applicant, therefore, requires under sub-section (1) of section 35G of the Central Excises and Salt Act, 1944 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred to in paragraph 8 above be referred to the High Court.

10. The documents or copies thereof specified below (the translation in English of the documents, where necessary is annexed) be forwarded to the High Court with the statement of the case.

Signature of the authorised representative,
if any.

Signature of the applicant

VERIFICATION

I, _____ the applicant do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19____.

Signature of the authorised representative,
if any.

Signature of the applicant

NOTES :

1. The application and form of verification shall be signed by the applicant in accordance with the provisions of rule 213 of the Central Excise Rules, 1944.
2. The application shall be filed in triplicate.
3. The fee of Rs. 200 required to be paid under the provisions of the Act shall be paid through a crossed bank draft drawn in favour of the Assistant Registrar of the Bench of the Tribunal on a branch of any nationalised bank located at the place where the Bench is situated and the demand draft shall be attached to the form of reference application.

FORM NO. E A.-7

[See rule 218(2)]

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS OBJECTION TO THE APPELLATE TRIBUNAL IN THE MATTER OF REFERENCE TO THE HIGH COURT UNDER SECTION 25G(2)

In the Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal

Cross Reference Application No. _____ of 19____.

Reference Application No. _____ of 19____.

Applicant

Vs.

Respondent

1. State/Union territory and the Collectorate from which the memorandum of cross-objection is filed.

2. Date of receipt of notice of application filed with the Appellate Tribunal by the respondent.
3. Address to which notices may be sent to the respondent.
4. Address to which notices may be sent to the applicant.
5. The facts which are admitted and/or found by the Appellate Tribunal and which are necessary for drawing up a statement of the case, are stated in the enclosure for ready reference.
6. The following questions of law arise out of the order of the Appellate Tribunal.

- (1)
- (2)
- (3) etc.

7. The respondent, therefore, requires under sub-section (1) of section 35G of the Central Excises and Salt Act, 1944 that a statement of the case be drawn up and the questions of law referred to in paragraph 6 above be referred to the High Court.

8. That the documents or copies thereof as specified below (the translation in English of the documents where necessary, is annexed) be forwarded to the High Court with the statement of the case.

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
respondent.

VERIFICATION

I, _____ the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the _____ day of _____ 19____.

Signature of the authorised
representative, if any.

Signature of the
respondent.

NOTES :

1. The form of Memorandum of cross objections and the form of verification shall be signed in accordance with the provisions of rule 213 of the Central Excise Rules, 1944.
2. The memorandum of cross objections shall be filed in triplicate.

[Notification No. 214/82 CE F. No. 208/25/82-CX.6]

C. MAHESH, Under Secy.